

8¹²/₁₆

पगावली पत्रा दुर्गा वहील उमपद
उमपद उमपद उमपद उमपद उमपद

दुर्गा उमपद पा सुधमति उमपद
॥ ३ ॥ अतः पाके पाक चित्तानुव

नष्ट-शुकर स्थित विवाहित श्री कृष्ण
शुक्र नं १७१५ जगदत १७२१, १७३३, १७४०

१७४५/२३६२, १७७५, १७८२, १७७६, १७७७

२००५ कित्त- १५ कुप उरवा ५-१६

का नष्टीलगत आगे की कुलगत पियो
दि ०३.१०.१६ के जगुलत पाकी का वाप

अभित्त डिडी कित्त जगता है नदगुलत
डिडी जगता है

पगावली पुस्तक २/१५ टोके पुस्तक मन्दा
के पुस्तक है । कापत नष्टील दगीरुदप

सहायक कलेक्टर एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट
(फ. नं. २००५) आमेर ज्. जयपुर